

पर्चा डिक्री

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) एवं सहायक कलक्टर टिब्बी,
जिला हनुमानगढ़
पीठासीन अधिकारी :- श्री सत्यनारायण आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या - 292/2024

अनवान :-

1. विनोद कुमार पुत्र धन्नाराम जाति जाट निवासी कुलचन्द्र तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।
2. जतिन पुत्र वेदप्रकाश जाति जाट निवासी कुलचन्द्र तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।

वादीगण

बनाम

1. चिड़िया देवी पुत्री लिछमणराम पत्नी शमोचन्द जाति जाट निवासी 36 ए नित्यानगर जयपुर तहसील व जिला जयपुर।
2. तुलछादेवी उर्फ माया देवी पुत्री लिछमणराम पत्नी सुभाष जाति जाट निवासी पीलीबंगा तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़।
3. पारो देवी उर्फ पार्वती देवी पुत्री लिछमणराम पत्नी रामलाल जाति जाट निवासी नुकेरा तहसील संगरिया जिला हनुमानगढ़।
4. सुपारी देवी पुत्री लिछमण पत्नी लालचन्द जाति जाट निवासी नुकेरा तहसील संगरिया जिला हनुमानगढ़।

प्रतिवादीगण

दावा बाबत घोषणा एवं खाता विभाजन

अन्तर्गत धारा

88, राजस्थान काश्तकारी अधि० 1955



डिक्री

दिनांक...19/11/24.....


आज यह वाद मुझ सत्यनारायण उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर टिब्बी के समक्ष वकील वादी श्री रूपराम कासनिया व वकील प्रतिवादी श्री रामरवरूप भादू अंतिम निपटारे/ निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबूतों एवं प्रतिवादी की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाकर घोषणा की जाती है कि चक नं० 7 सीडीआर के जमाबन्दी संवत् 2075 ता 78 के खाता सं० 29/141 में कुल 7.185 है० नहरी मय गै०मु० आराजी में से प्रतिवादीया सं० 1 चिड़िया देवी का 717 /4790

हिरसा में से 0.349 है० व प्रतिवादीया सं० 2 तुलछारामदेवी के 717/4790 हिरसा में से 0.349 है० व प्रतिवादीया सं० 3 पारो देवी के 173/7185 हिरसा व प्रतिवादीया सं० 4 सुपारो देवी के 367/7185 हिरसा के वादीगण व०हि०व० के खातेदार काश्तकार घोषित किया जाते हैं। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जाकर प्रतिवादीगण का नाम कलमजन् किया जाने के आदेश दिए जाते हैं। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के

संलग्न 500/- रु का स्टाम्प तकगीलन शामिल किया जावे। तहसीलदार राजस्व टिब्बी को आदेशित किया जाता है कि यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी राक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश नहीं हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 19/11/24..... को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।




(सचिव न्यायालय एवं स.स)
अपेक्षित अधिकारी एवं.स)
मुख्य न्यायालय अधिकारी (राजस्व)
एवं सहायक कलेक्टर
टिब्बी